पधारो माँ छगनी के दुलारे बाबोसा घर पे हमारे

झूमे धरती अम्बर,
कहती है ये पवन,
आज घर आयेंगे,
बाबोसा भगवन,
आओ मिलके सजाये,
घर आँगन,
शुभ दिन आया है,
बड़ा मन भावन,
राहों में हम पलके बिछाकर,
बाट निहारे,
पधारो माँ छगनी के दुलारे,
बाबोसा घर पे हमारे।bd।

तर्ज – देश रंगीला रंगीला।

डगर डगर ये सारा नगर देखो,
दुल्हन सा है सजाया,
रंगोली से चोक सजाकर,
कुमकुम कलश भराया,
पग पग दीपक प्रगटाये,
ज्यु अम्बर में चमके तारे,
पधारों माँ छगनी के दुलारे,
बाबोसा घर पे हमारे।bd।

आपके श्री चरण पड़े तो,
ये धरती पावन हो जाये,
भक्तो की अर्जी सुनकर के,
शुभागमन हो जाये,
चुरू के राजा कब होंगे,
दर्श तुम्हारे,
पधारों माँ छगनी के दुलारे,
बाबोसा घर पे हमारे।bd।

एक यही अभिलाषा मेरी,
पाँउ में दर्शन तुम्हारे,
'दिलबर' तेरी शरण मे आकर,
तुझपे जीवन वारे,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने,मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

अब न तड़पाओ जल्दी आओ,
द्वार हमारे,
पधारों माँ छगनी के दुलारे,
बाबोसा घर पे हमारे।bd।

झूमे धरती अम्बर,
कहती है ये पवन,
आज घर आयेंगे,
बाबोसा भगवन,
आओ मिलके सजाये,
घर आँगन,
शुभ दिन आया है,
बड़ा मन भावन,
राहों में हम पलके बिछाकर,
बाट निहारे,
पधारो माँ छगनी के दुलारे,
बाबोसा घर पे हमारे।bd।

गायिका – अभिलाषा बांठिया।
लेखक / प्रेषक – दिलीप सिंह सिसोदिया ‘दिलबर’।
9907023365

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com